राधे राधे राधे राधे राधे राधे राधे। प्रेम रूप रस राधे राधे राधे।

राधे राधे राधे राधे राधे राधे राधे।
प्रेम रूप रस राधे राधे राधे।
राधे राधे प्रेम अगाधे राधे राधे।
भूलूँ न तोहिं पल आधे राधे राधे।
तुम भी न भूलो मोहिं राधे राधे राधे।
प्रेम सुधा दे राधे राधे राधे।
छोड़ें नहिं पाछा अब राधे राधे राधे।
तू ही रति गति मति राधे राधे राधे।
अगति की गति तू ही राधे राधे राधे।
पतितपावनी राधे राधे राधे।
छवि को भी छवि दे राधे राधे राधे।
कृपाकारिणी राधे राधे राधे।
अधम उधारिनि राधे राधे राधे।

पुस्तक : युगल माधुरी
कीर्तन संख्या : 32
पृष्ठ संख्या : 114
सर्वाधिकार सुरक्षित © जगद्गुरु कृपालु परिषत्

कवि : जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज
स्वर : सुश्री अखिलेश्वरी देवी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34454/title/radhe-radhe-radhe-radhe-radhe-radhe-radhe--prem-roop-ras-radhe-radhe-radhe-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |